संपादकीय

आग पर पानी डालें

अभी गुजरात में जिस तरह उत्तर भारतीय कामगारों को निशाना बनाया जा रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन उससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि पूरे मामले पर राजनीति हो रही है और मामले को संभालने के बजाय राजनीतिक दल एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने में जुटे हैं। यह मामला 28 सितंबर को साबरकांठा जिले में 14 महीने की एक बच्ची के साथ बलात्कार की घटना के बाद भड़का, जिसका आरोप बिहार के एक मजदूर पर है। उसके बाद गुजरात के पांच जिलों गांधीनगर, अहमदाबाद, पाटन, साबरकांठा और मेहसाणा में प्रदर्शन होने लगे और यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश के लोगों को निशाना बनाया जाने लगा। कई जगह उन पर जानलेवा हमले किए गए, उनके पैसे छीन लिए गए और उन्हें राज्य छोड़ने की धमकी दी गई।

नतीजा यह हुआ कि गुजरात के विभिन्न संगठित-असंगठित उद्यमों में कार्यरत उत्तर भारतीय गुजरात छोड़कर भागने लगे। कहा जा रहा है कि अब तक करीब बीस हजार लोग राज्य से बाहर जा चुके हैं। इस उपद्रव के पीछे कुछ भूमिका सोशल मीडिया की भी मानी जा रही है। वडोदरा के डिप्टी एसपी के अनुसार सोशल मीडिया पर एक मेसेज वायरल हुआ, 'विस्थापित मजदूरों की वजह से राज्य के लोगों को काम नहीं मिल रहा है इसलिए इन्हें राज्य से बाहर जाना चाहिए।' इस मेसेज के फैलते ही उत्तर भारतीयों पर हमले शुरू हो गए। प्रशासन ने 56 प्राथमिकियां दर्ज की हैं और हमलों में शामिल 431 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है, हालांकि शुरू में ही उसने पर्याप्त सख्ती दिखाई होती तो शायद यह नौबत ही न आती।

असल चिंता इस पर हो रही राजनीति को लेकर है। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस नेता अल्पेश ठाकोर के बयानों से हालात बिगड़े हैं जबकि अल्पेश का कहना है कि इस प्रकरण में उन्हें और उनके समर्थकों को बेवजह बदनाम किया जा रहा है, जबकि हमले तो बीजेपी कार्यकर्ता कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि देश की दोनों बड़ी राजनीतिक पार्टियों की कोशिश जल्द ही होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में इस घटना को भुनाने की है। ऐसा कोई प्रयास गुजरात ही नहीं पूरे देश के लिए नुकसानदेह होगा। हजारों लोगों की रोजी-रोटी दांव पर लगी है, लिहाजा अभी तो आग पर पानी डालना ही सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। जिन लोगों ने प्रवासी मजदूरों पर हमले किए हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने प्रवासियों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है लेकिन बात तभी बनेगी जब राज्य सरकार का पूरा अमला इस मामले में संवेदनशीलता दिखाए। देश में क्षेत्रीय भावनाएं कई बार भड़काई जा चुकी हैं लेकिन इनसे हर बार न सिर्फ देश का, बल्कि संबंधित राज्य का भी नुकसान हुआ है। हर विकसित राज्य की तरक्की में दूसरे राज्यों के लोगों का भी बड़ा योगदान रहा है। यही हमारे देश की खूबसूरती है। इसे संजोकर रखने में ही सबकी भलाई है।

महज 5 मिनट में निवेशकों के बह गए 4 लाख करोड़ रुपये

दलाल स्ट्रीट में कत्लेआम

मुंबई (आरएनएस)। गुरुवार को सुबह-सुबह दलाल स्ट्रीट पर कत्लेआम मच गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 31 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों का सूचकांक निफ्टी, दोनों 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ खुले। इसका असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा और महज 5 मिनट में 4 लाख करोड़ रुपये बाजार से बाहर हो गया।

दरअसल, 697.07 की गिरावट के साथ खुलने के तुरंत बाद सेंसेक्स ने 1000 अंक का गोता लगा दिया। वहीं, निफ्टी में भी 290.3 अंक की गिरावट के साथ 10,169.80 पर कारोबार की शुरुआत हुई। आंकड़ों से पता चलता है कि शुरुआती कारोबार में बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन या मार्केट कैप (बाजार पूंजीकरण) 134.38 लाख करोड़ रुपये घट गए। बुधवार को इन कंपनियों का कुल मार्केट कैप 1 करोड़ 38 लाख 39 हजार 750 करोड़ रुपये था। ध्यान रहे कि 30 अगस्त को इन कंपनियों का मार्केट कैप 1 करोड़ 59 लाख 34 हजार 696 करोड़ के सर्वकालिक स्तर पर पहुंच गया था।

दरअसल, एशियाई देशों के शेयर बाजारों में गिरावट ने भारतीय बाजारों को भी प्रभावित किया। अमेरिकी शेयरों में रातोंरात गिरावट के कारण गुरुवार को एशियाई शेयर 5 प्रतिशत तक टूट गए। भारतीय बाजारों में बुधवार की बढ़त के बावजूद टेक्निकल चार्ट्स में भी बेरुखी का आलम ही दिख रहा था। एशियाई बाजारों में ताइवान का प्रमुख सूचकांक 5.21 प्रतिशत कमजोर हो गया। वहीं, जापान का निक्केई भी 3.7 प्रतिशत, कोरिया का कोस्पी 2.9 प्रतिशत और शंघाई कंपोजिट 2.4 प्रतिशत टूट गए। बुधवार को एसएण्डपी500 3.39 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 4.08 प्रतिशत जबकि डॉ जोन्स इंडस्ट्रियल ऐवरेज 2.2 प्रतिशत कमजोर हो गए।

कतर में पतंजलि के सभी उत्पादों पर लगा बैन

नई दिल्ली (आरएनएस)। योगगुरु बाबा रामदेव को कतर से तगड़ा झटका लगा है। झटका ये है कि कतर सरकार ने कथित रूप से पतंजलि के सभी उत्पादों पर रोक लगा दी है। हालांकि इस मामले में पतंजलि रूप की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कतर सरकार का कहना है कि पतंजलि के उत्पादों में तय मात्रा से अधिक केमिकल है। केमिकल की अधिक मात्रा इन उत्पादों का प्रयोग करने वाले ग्राहकों के लिए सही नहीं है। इससे उनकी त्वचा और सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसी दुष्परिणामों से कतर के लोगों को बचाने के लिए इन उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाई गई है। इस मामले में पतंजलि के प्रवक्ता से बातचीत करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

हॉकी वर्ल्ड कप: टीम इंडिया को बड़ा झटका, स्टार खिलाड़ी एसवी सुनील चोटिल

भुवनेश्वर (आरएनएस)। हॉकी वर्ल्ड कप से ठीक पहले भारतीय पुरुष टीम को बड़ा झटका लगा है। सूत्रों की मानें तो टीम इंडिया के प्रमुख खिलाड़ी माने जाने वाले एसवी सुनील चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सूत्रों की मानें तो एशियन चैंपियंस ट्रोफी (ACT) से पहले भुवनेश्वर में नैशनल कैंप आयोजित किया गया था। इस दौरान सुनील के बाएं पैर में चोट लग गई थी।

बता दें कि एशियन चैंपियंस ट्रोफी से सुनील को आराम दिया गया है। ओमान में होने वाले एशियन चैंपियंस ट्रोफी में भारतीय टीम मलेयेशिया, पाकिस्तान, साउथ कोरिया, जापान और मेजबान टीम ओमान का सामना करेगी।

सूत्रों के अनुसार, सुनील को सलाह दी गई थी कि वह नए टर्फ, जहां अभी भी थोड़ी फिसलन है, पर अधिक तेजी से न दौड़ें, लेकिन प्रशिक्षण के दौरान स्प्रिंट के अंत में एक रिवर्स हिट लेने में उनका घुटना टर्फ पर जा टकराया और चोटिल हो गए। भुवनेश्वर में शुरुआती मूल्यांकन के बाद उनके फिट होने का वादा नहीं किया जा सकता है।

इस तरह उनके लिए विश्व कप अभियान शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया है। जल्द ही उन्हें अंतिम कॉल के लिए दिल्ली भेजा जाएगा, लेकिन इसकी उम्मीद कम ही है कि वह समय पर फिट हो सकें।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के इस फॉरवर्ड ने भारत के लिए अब तक 200 से अधिक इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्हें आकाशदीप के साथ भारतीय अटैक का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा था।

उल्लेखनीय है कि हॉकी विश्व कप का आयोजन 28 नवंबर से हो रहा है। इसके उद्घाटन समारोह का आयोजन 27 नवंबर को होगा। इस टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान भी शामिल होंगे और वह प्रस्तुति भी देंगे। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में इस टूर्नामेंट के सभी मैच खेले जाएंगे।

बल्लेबाजी भी करने वाला स्ट्राइक गेंदबाज बनना चाहता हूं: दीपक चाहर

चेन्नई (आरएनएस)। राष्ट्रीय टीम में जगह पक्की करने की कोशिश में लगे हरफनमौला खिलाड़ी दीपक चाहर ने कहा है कि वह एक ऐसे खिलाड़ी बनना चाहते हैं जो नई गेंद से गेंदबाजी करने के साथ ही बल्ले से भी अच्छा योगदान दे सके। चाहर को हाल ही में एशिया कप में हार्दिक पंड्या के स्थान पर टीम में चुना गया था। अपने पदार्पण मैच में हालांकि उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा था।

चाहर ने यहां विजय हजारे ट्रोफी के मैच के इतर कहा, 'मैं बल्लेबाजी भी कर सकता हूं। मैं एशिया कप में हार्दिक पंड्या के विकल्प के तौर पर चुना गया था।' उन्होंने कहा, 'मैं अपने आप को एक बल्लेबाज के तौर पर साबित करना चाहता हूं। मैं एक ऐसा हरफनमौला खिलाड़ी बनना चाहता हूं जो नई गेंद से गेंदबाजी कर सके। मैं अपने आप को इस तरह से तैयार करना चाहता हूं कि अगर चयनकर्ता नई गेंद फेंकने वाला गेंदबाज चाहें तो मुझे चुनें वहीं अगर वह हरफनमौला खिलाड़ी चाहें तो मेरा नाम उनके जहन में आए।'

राजस्थान इस वनडे टूर्नामेंट के ग्रुप-सी में है।

जॉब डेटा का सिस्टम तैयार करने पर होगी देरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। एंप्लॉयमेंट डेटा पर एक कमिटी ने जॉब डेटा के विभिन्न सोर्सेज को एकत्र और प्रस्तुत करने के तरीके पर सुझाव देने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से 6 और महीने का समय मांगा है। देश के पूर्व चीफ स्टैटिस्टिशियन टी. सी. ए. अनंत की अगुआई वाली यह कमिटी जून में बनाई गई थी और इसे एक महीने में अपनी रिपोर्ट देनी थी। अब यह इस वर्ष के अंत तक अपने सुझाव दे सकती है।

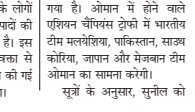

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि तिमाही एंप्लॉयमेंट सर्वे के डेटा और एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) और एंप्लॉयीज स्टेट इंश्योरेंस कोऑपरेशन के पेरोल डेटा के बीच बड़े अंतर के कारण कमिटी को सुझाव देने में अधिक समय लग रहा है। डेटा के इन दोनों सेंट को लेबर मिनिस्ट्री के तहत आने वाले कार्यालय तैयार करते हैं।

पीएमओ ने अनंत की अगुआई में यह पता लगाने के लिए कमिटी बनाई थी कि पेरोल डेटा और लेबर मिनिस्ट्री के एंप्लॉयमेंट सर्वे के बीच बहुत अधिक अंतर क्यों है। कमिटी के सुझावों के आधार पर पीएमओ एंप्लॉयमेंट डेटा के विभिन्न सोर्सेज को प्रोसेस और पब्लिश करने पर फैसला करेगा अधिकारी ने कहा, इस कोशिश का उद्देश्य देश में रोजगार की एक स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करना है। सरकार का मानना है कि तिमाही एंप्लॉयमेंट सर्वे में कुछ कमियां हैं। इसमें 2014 के बाद रजिस्टर्ड हुई यूनिट्स को शामिल नहीं किया जाता क्योंकि यह छठी आर्थिक जनगणना (2013-14) पर आधारित है। इसमें 10 से कम वर्कर्स वाली यूनिट्स को भी बाहर रखा गया है।

इसी के चलते सर्वे में करीब 2.4 करोड़ वर्कर्स को शामिल किया जाता है, जबकि देश में कुल वर्कफोर्स लगभग 47 करोड़ है। पेरोल डेटा में भी नई नौकरियों की स्पष्ट जानकारी मिलनी मुश्किल है क्योंकि प्रॉविडेंट फंड के दायरे में 20 या अधिक एंप्लॉयीज वाली फर्मे ही आती हैं। इसका मतलब है कि माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइसेज इससे बाहर रह जाती हैं।

आज का राशिफल

मेष- अनेकेनी की कृपा से आपको आज सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलेगी। परिवार एवं दांपत्यजीवन में सुख-संतोष का अनुभव करेंगे। रोमांस की पराकाष्ठा का अनुभव होगा।

वृषभ- आज वाणी और व्यवहार पर संयम रखें। गलतफहमी पैदा होगी। मौज-शौक तथा मनोरंजन के पीछे खर्च होगा। तबीयत का ध्यान रखें। दुर्घटना से बचें।

मिथुन- आज का दिन लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। जीवनसाथी के पीछे खर्च होगा। व्यापार एवं नौकरी में आय बढ़ेगी। घर में शुभ-प्रसंगों का आयोजन होगा।

कर्क- तीसे में वर्ष या अन्य किसी विकार से परेशानी अनुभव करेंगे। परिवार में सदस्यों के साथ उग्र वाद-विवाद हो सकता है। रुपी वर्ग से संमकलन व्यवहार करें। पैसे खर्च होंगे।

सिंह- स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। निर्धारित कार्य पूरे होंगे। छोटा प्रवास हो सकता है। भाग्यवृद्धि के अवसर सामने आएगा। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति की निकटता आपको हर्षित करेगी।

कन्या- मन बुद्धिमा में रह सकता है। व्यवहारात्मक विचार मन की अस्वस्थता बढ़ाएंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ गलतफहमी या मनमुटाव हो सकता है। अनावश्यक खर्च होगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।

तुला- आर्थिक मामलों में दिन अनुकूल रहेगा। आज आपकी कलात्मक और कृजनात्मक शक्ति बेहतरम रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से तंदुरुस्त रहेंगे। दृढ़ विचार और आत्मविश्वास से सपने पूरे कर सकेंगे।

वृश्चिक- मित्रों की तरफ से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। लाभ होगा। आमोद-प्रमोद की प्रवृत्तियों में पैसे खर्च होंगे। दांपत्यजीवन में जीवनसाथी के साथ निकटता के पल व्यतीत कर सकेंगे।

धनु- प्रेम का सुखद अनुभव प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आर्थिक, सामाजिक और कौटुंबिक दृष्टि से आज लाभ का दिन है। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा।

मकर- व्यवसाय के क्षेत्र में धन, मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में परिश्रम रंग लाएगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारकारी कार्यों में सफलता मिलेगी और सरकार तथा मित्रों, सम्बंधियों से लाभ होगा।

कुंभ- काम करने में उत्साह का अभाव रहेगा। आफिस में उच्च पदाधिकारियों से संमकलन रहें। विवाद के विषयों से दूर रहें। मौज-शौक के पीछे खर्च होगा। यात्रा का योग है। विदेशगमन की संभावना है तथा विदेश से समाचार मिलेगा।

मीन- आकस्मिक धन लाभ का योग है। व्यापरी वर्ग के रुके हुए पैसे मिलेंगे। आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक परिश्रम करने पड़ेंगे। खर्च अधिक रहेगा। अनोखेका कामुकी सुशीला में डाल सकती है, संमकलन रहें।

मां दुर्गा की दूसरी शक्ति ब्रह्मचारिणी ने की थी कठिन तपस्या

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।

मां दुर्गा की नवरात्रि का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात् ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। एक हजार वर्ष तक इन्होंने केवल फल-फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया।

कठिन तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीण हो गया। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया, सराहना की और कहा- हे देवी आज तक किसी ने इस तरह की कठोर तपस्या नहीं की। यह तुम्हीं से ही संभव थी। तुम्हारी मनोकामना परिपूर्ण होगी और भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे। अब तपस्या छोड़कर घर लौट जाओ। जल्द ही तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाने आ रहे हैं।

मां ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से सर्व सिद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के दूसरे दिन देवी के इसी स्वरूप की उपासना की जाती है।

इस देवी की कथा का सार यह है कि जीवन के कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए।

खाना/खजाना- मूंगफली की कढ़ी

भुना हुआ मूंगफली का पाउडर- 2 टेबलस्पून, ताजा दही- 1 कप, सिंघाड़े का आटा- 1 टेबलस्पून, घी- 1 टीस्पून, जीरा- 1/2 टीस्पून, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट- 1 टेबलस्पून, सेंधा नमक- स्वादानुसार, चीनी- 1/2 टीस्पून, हरा धनिया- गॉर्निशिंग के लिए।

विधि :-दही को अच्छे से फेंट लें। इसमें सिंघाड़े का आटा और दो कप पानी मिलाकर फिर से अच्छी तरह फेंटे। इस मिक्सचर को अलग रखें। अब एक कड़ाही में घी गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब ये चटकने लगे तब इसमें अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर करीब 30 सेकंड तक भुनें। फिर इसमें मूंगफली का पाउडर डालें और मीडियम आंच पर करीब 30 सेकंड के लिए सेंकें सकें। अब इसमें दही वाला मिक्सचर नमक और चीनी डालें और करीब चार से पांच मिनट के लिए धीमी आंच पर पका लें। ध्यान रखें कि इसमें गुठलियां न पड़ें। हरा धनिया डालकर गरमा-गरम सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-56

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, लहका 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. किवाड़, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. भयभ, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. पराजित, परास्त। 9. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आतिफ्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. यामाग्र (उ.) 21. परेशान, दुनिया 22. समय, समेली की जाति का एक पौधा और फूल 23.

	1	2		3		4	5	
6			7					8
9		10				11		
12				13		14		
	15							16
17				18				
19					20		21	
		22		23			24	
25				26				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 55 का हल

दि	क्ष	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		मी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

सू-दोकू-56

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

विषय

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें लकीरों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 55 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
	2	6	3	1	9	7	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5